

भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 522

दिनांक 16.09.2020 को उत्तर देने के लिए

तीर्थ स्थल

522. श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश सहित अन्य देशों में तीर्थ स्थल और मंदिरों को चिह्नित किया है;
- (ख) यदि हां, तो देश-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) इन देशों में तीर्थ स्थलों और मंदिरों की क्या स्थिति है; और
- (घ) तीर्थ यात्रियों द्वारा इन स्थलों की तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने की संभावना है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) से (घ) सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा के संबंध में 1974 प्रोटोकॉल के तहत तीर्थयात्रा के लिए पाकिस्तान में 15 धार्मिक स्थलों को चिह्नित किया है। इन तीर्थस्थलों का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है। पाकिस्तान में इन 15 तीर्थस्थलों का रखरखाव पाकिस्तान सरकार के इवेक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड, द्वारा किया जाता है। भारत सरकार पाकिस्तान में इन धार्मिक स्थलों में भारतीय तीर्थयात्रियों की निर्विघ्न यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान स्थित अपने उच्चायोग के माध्यम से पाकिस्तान प्राधिकारियों के साथ समन्वय करती है। इन तीर्थस्थलों पर तीर्थ यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक पूजा स्थलों में तोड़फोड़ करने तथा उन्हें अपवित्र करने संबंधी रिपोर्टें सरकार की जानकारी में आई हैं। हाल में, 26 जनवरी 2020 को सिंध में माता रानी भटियाणी मंदिर, 03 जनवरी 2020 को श्री ननकाना साहिब के पवित्र गुरुद्वारे तथा 18 जुलाई 2020 को मर्दन में गांधार शैली की बुद्ध

प्रतिमा की तोड़फोड़ तथा उन्हें अपवित्र करने की रिपोर्टों के बाद सरकार ने इन निंदनीय कृत्यों की कड़ी भर्त्सना की है और पाकिस्तान से आग्रह किया है कि वह पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों सहित उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा, सलामती एवं कल्याण सुनिश्चित करें और अपराधियों को जल्द पकड़ कर उन्हें सजा दिलाने के लिए तत्काल कदम उठाए।

बांग्लादेश में ऐसे कई मंदिर हैं जहाँ भारत से भी तीर्थयात्री जाते हैं। इनमें से कई स्थान सदियों पुराने हैं और इन्हें बांग्लादेश सरकार द्वारा संरक्षित धरोहर/पुरातात्विक स्थल घोषित कर दिया गया है। प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर को बांग्लादेश का राष्ट्रीय मंदिर घोषित किया गया है।

लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 522 का अनुबंध

भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी 1974 प्रोटोकॉल के तहत पाकिस्तान में चिन्हित किए गए धार्मिक स्थल:

1. हयात पिताफ्री में शदानी दरबार घोटकी सिंध
2. चकवाल, पंजाब में कटासराज धाम
3. ननकाना साहिब के गुरुद्वारे, पंजाब
4. गुरुद्वारा पंजा साहिब, हस्सन अब्दल, अट्टोक, पंजाब
5. महाराजा रणजीत सिंह जी की समाधि, लाहौर, पंजाब
6. गुरुद्वारा डेरा साहिब, लाहौर, पंजाब
7. गुरुद्वारा जन्म स्थान, ननकाना साहिब, पंजाब
8. गुरुद्वारा दीवान खाना, लाहौर, पंजाब
9. गुरुद्वारा शहीद गंज, सिधानियन, लाहौर, पंजाब
10. गुरुद्वारा भाई तारा सिंह, लाहौर, पंजाब
11. छटवें गुरु का गुरुद्वारा, मोजांग, लाहौर, पंजाब
12. गुरु राम दास का जन्म स्थान, लाहौर, पंजाब
13. गुरुद्वारा छवीन पद्शाही, मोजांग, लाहौर, पंजाब
14. हजरत दाता गंज बक्श की मजार लाहौर, पंजाब
15. साधु बेला, खानपुर और मीरपुर मथेलो, सिंध
